तापमान

अधिकतम 42.0 डिग्री से.
न्यूनतम 29.0 डिग्री से.

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार 29 जून 2026

11 श्री कृष्ण लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया

12 रिक्शा चालकों की मनमानी से यात्रियों की छूट रही ट्रेन

खबर संक्षेप

रोहणा नहर में गिरा युवक, तलाश जारी

खरखौदा। गांव रोहणा के पास से गुजर रहे रिलायंस चैनल पर पानी लेने गया एक युवक पैर फिसलने उसमें डूब गया। बताया जा रहा है कि रोहणा निवासी 22 वर्षीय आदित्य रविवार को नहर के पास नलकूप से पानी लेने गया था। इस दौरान उसका पैर फिसल गया और वह नहर में जा गिरा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस व ग्रामीणों की ओर से नहर में युवक की तलाश की जा रही है।

दंपति व बेटे पर लाठी-डंडों से हमला

गोहाना। गांव खानपुर खुर्द में बेटे के साथ मारपीट का विरोध करना एक परिवार को भारी पड़ गया। आरोप है कि नौ लोग घर में घुस आए और पति-पत्नी व उनके बेटे के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। घायलों को नागरिक अस्पताल से बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल के लिए रेफर किया गया। बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया। मीना ने पुलिस को बताया कि उसके बेटे कार्तिक के साथ गांव के एक युवक ने मारपीट की। इसका पता चलने पर उसने और उसके पति सुनील ने उस युवक को दोबारा ऐसा न करने की चेतावनी दी। आरोप है कि कुछ देर बाद युवक के स्वजन उनके घर में घुस आ और उनके साथ मारपीट की। मीना के अनुसार मारपीट से वह, उसके पति सुनील और बेटा कार्तिक घायल हो गए। आरोपित धमकी देकर भाग गए।

केबल चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। सदर थाना पुलिस ने मोबाइल टावर से केबल काटकर चोरी करने के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान गांव चटिया औलिया निवासी दीपक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार इंडस टावर कंपनी के सुपरवाइजर संदीप ने शिकायत दी थी कि गांव जाहरी बाईपास स्थित टावर से 21 मई को केबल चोरी हुई थी। वहीं 23 जून को आरोपित दोबारा टावर से केबल काट रहा था। आवाज सुनकर पास के प्लॉट मालिक सुरेश मौके पर पहुंचे तो आरोपित वहां से भाग निकला।
शिकायतकर्ता ने पहले हुई चोरी में भी उसी पर संदेह जताया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। जांच के दौरान मुख्य सिपाही सोमपाल की टीम ने आरोपित को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार, जेल भेजा

सोनीपत। सिविल लाइन थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 45 बोतल देशी शराब बरामद की है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कबीरपुर निवासी नवीन और गांधी चौक निवासी अनिकेत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गीता भवन चौक पर गश्त के दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर बस अड्डा के निकासी गेट पर छापेमारी की गई। वहां दोनों युवक दो पेटियों के साथ मिले। तलाशी लेने पर उनके पास से संतरा मार्का देशी शराब के 45 अद्दे बरामद हुए, जिन पर फॉर सेल इन हरियाणा ओनली अंकित था। पूछताछ के दौरान दोनों शराब संबंधी कोई लाइसेंस या परमिट पेश नहीं कर सके। आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज मामले में मुख्य सिपाही रणबीर की टीम ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है।

भीषण गर्मी और उमस से लोग बेहाल, आंधी-बादलों ने दी राहत की उम्मीद

प्री-मानसून की कमजोर गतिविधियां जारी, 2 तक मानसून दे सकत है दस्तक, मौसम विशेषज्ञ बोले- बारिश के बाद मिलेगी गर्मी से मुक्ति

बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव क्षेत्र विकसित हो रहा है, जिससे नमी दिल्ली-एनसीआर तक पहुंच रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

भीषण गर्मी और उमस के बीच एसी, कूलर और पंखे भी बेअसर साबित हो रहे हैं। दिनभर उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल किया, वहीं बिजली आपूर्ति की अनियमितता ने परेशानी और बढ़ा दी। दिल्ली-एनसीआर में कमजोर प्री-मानसून गतिविधियों के चलते गर्मी और उमस का असर लगातार बना हुआ है। रविवार को जिले का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री दर्ज किया गया।

आसमान में काले बादल छाए

शाम को अचानक चली आंधी के कारण आसमान में काले बादल छा गए, जिससे बारिश की संभावना बनी, लेकिन कुछ ही देर बाद बादल गायब हो गए।

आंधी में गीता भवन चौक का नजारा

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 2 जुलाई तक मानसून की दस्तक होने से लोगों को गर्मी से राहत मिल सकती है। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आने और उमस कम होने की संभावना है। इससे पहले प्री-मानसून गतिविधियां कमजोर बनी हुई हैं, जिसके चलते जून माह में अपेक्षाकृत बहुत कम बारिश दर्ज की गई है। इसी कारण तापमान 40 डिग्री के आसपास बना हुआ है और हवाओं की गति धीमी रहने से उमस बढ़ रही है।

कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय

बताया जा रहा है कि बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव क्षेत्र विकसित हो रहा है, जिससे नमी दिल्ली-एनसीआर तक पहुंच रही है, लेकिन कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के कारण बादलों की आवाजाही बनी हुई है। वातावरण में उमस का स्तर 60 प्रतिशत से अधिक पहुंच चुका है, जिसका असर रात के तापमान पर भी पड़ रहा है। इससे रात में भी लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले तीन दिनों तक प्री-मानसून की कमजोर गतिविधियां जारी रहेंगी। सोमवार से बुधवार तक आसमान में बादल, आंधी और हल्की बूंदाबांदी की संभावना बनी रहेगी। हालांकि इस दौरान गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिलने की संभावना कम है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री के आसपास बना रह सकता है। किसानों के लिए भी बारिश का इंतजार बढ़ गया है। खरीफ सीजन में धान सहित अन्य फसलों की बुवाई बारिश पर निर्भर है। बारिश की कमी के कारण किसानों को सिंचाई का खर्च बढ़ रहा है और धान की रोपाई प्रभावित हो रही है।

मानसून की रफ्तार लगातार तेज हो रही

मौसम विशेषज्ञ प्रो. चंद्रमोहन ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में प्री-मानसून गतिविधियां कमजोर हैं, लेकिन मानसून की रफ्तार तेज हो रही है और 2 जुलाई तक इसके क्षेत्र में पहुंचने की संभावना है। बारिश के बाद गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है

प्रेम प्रसंग के शक में युवक की लाठी डंडों से पीटकर हत्या, खेत में मिला शव

युवक के पिता का आरोप- धमकी देकर की गई थी रंजिश, वारदात के बाद फोन कर कहा 'बेटे को खत्म कर दिया'

राई क्षेत्र के जठेड़ी में युवक को बेरहमी से मारा, आरोपी पक्ष ने खुद दी पुलिस को सूचना

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

राई थाना क्षेत्र के गांव जठेड़ी में एक युवक की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। वारदात की वजह प्रेम प्रसंग का संदेह बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के खंदावली निवासी शिव कुमार ने बताया कि उनका 26 वर्षीय बेटा विशाल राई औद्योगिक क्षेत्र की एक बेसन कंपनी में काम करता था और जठेड़ी गांव में किराए पर रहता था। उसके पड़ोस में ओमवीर नामक व्यक्ति भी परिवार सहित रहता था। दोनों परिवारों के बीच अच्छे संबंध थे, लेकिन मार्च से ओमवीर को पत्नी और विशाल के बीच प्रेम प्रसंग का शक हो गया था। इसी रंजिश में धमकी देने का आरोप भी लगाया गया है। शनिवार रात शिव कुमार को फोन आया, जिसमें उनके बेटे के चीखने की आवाजें सुनाई दे रही थीं और कुछ लोगों ने कहा कि उनके बेटे को खत्म कर दिया गया है। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे, जहां विशाल की हत्या की जानकारी मिली। चौंकाने वाली बात यह रही कि वारदात के बाद आरोपी के पिता खुद राई थाने पहुंचे और पुलिस को घटना की सूचना दी। उन्होंने बताया कि उनके बेटे तनुज ने विशाल की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी है और शव खेत में पड़ा है। सूचना पर पुलिस ने जठेड़ी-राठधाना मार्ग पर एक खेत से विशाल का लहूलुहान शव बरामद किया।

- एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य, खून से सनी मिट्टी व डंडे बरामद
- 26 वर्षीय बेटा विशाल राई औद्योगिक क्षेत्र की एक बेसन कंपनी में काम करता था

सोनीपत। नागरिक अस्पताल में पहुंचे विशाल के परिजन।

शव के पास मिले बांस के दो डंडे

घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। एफएसएल प्रभारी डॉ. रवि ने अपनी टीम के साथ घटनास्थल की बारीकी से जांच की। टीम ने वहां से साक्ष्य जुटाने के साथ ही खून से सनी मिट्टी और शव के पास ही पड़े दो बांस के डंडे अपने कब्जे में ले लिए। पुलिस ने इस मामले में मृतक के पिता शिव कुमार के बयान पर आरोपित तनुज उर्फ अनुज और उसके अन्य साथियों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली है और मामले की छानबीन की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विशाल। (फाइल फोटो)

मंदिर के पुजारी से 2.58 लाख की साइबर ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- बेटी की बीटेक की फीस जमा कराने पहुंचे तो हुआ खुलासा

शहर में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है। सिक्का कॉलोनी स्थित महावीर मंदिर के पुजारी आशुतोष भट्ट के बैंक खाते से 2.58 लाख रुपये की धोखाधड़ी हो गई। घटना का पता तब चला जब वह अपनी बेटी वृतिका की बीटेक की फीस जमा कराने बैंक पहुंचे। बैंक में जानकारी मिलने पर उन्हें खाते से पैसे कटने का पता चला। आशुतोष भट्ट ने साइबर क्राइम थाना में दी शिकायत में बताया कि उनके यूको बैंक खाते से 20 से 25 अप्रैल के बीच चार अलग-अलग यूपीआई ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 2,58,500 रुपये निकाल लिए गए। उन्होंने तुरंत साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई और बाद में साइबर थाना में प्राथमिकी कराई।
प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ठगों ने फर्जी वेबसाइट और जाली दस्तावेजों के आधार पर खोले गए खातों का इस्तेमाल कर रकम ट्रांसफर की। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

इंडियन कॉलोनी में बंद मकान से डेढ़ लाख की नकदी व चेन चोरी

सोनीपत। इंडियन कॉलोनी में बंद मकान को निशाना बनाकर चोरों ने डेढ़ लाख रुपये की नकदी और आर्टिफिशियल चेन चोरी कर ली। घटना का खुलासा तब हुआ जब मकान मालिक दो दिन बाद घर लौटे। गली नंबर-3, इंडियन कॉलोनी निवासी अनीस ने सिटी थाना में दी शिकायत में बताया कि वह हेयर ड्रेसर का काम करते हैं। 25 जून को वह घर पर ताला लगाकर उत्तर प्रदेश के बड़ौत गए थे। 27 जून की रात वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि मुख्य गेट का ताला सही था, लेकिन अंदर के कमरों के ताले गायब थे और सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि चोर करीब डेढ़ लाख रुपये नकद और आर्टिफिशियल चेन चोरी कर ले गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नशीले पदार्थ के सेवन से युवक की मौत मामले में दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार

गोहाना। नशीले पदार्थ के सेवन से एक व्यक्ति की मौत के मामले में थाना शहर गोहाना पुलिस ने दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आर्य नगर निवासी अशोक उर्फ दुगी के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार गोहाना निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि उसके मित्र कुलदीप को कुछ लोग लगातार नशीला पदार्थ उपलब्ध कराते थे, जिसके सेवन से उसकी मौत हो गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी और इससे पहले आरोपी सोनू को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अब पुलिस ने जांच आगे बढ़ाते हुए दूसरे आरोपी अशोक उर्फ दुगी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक को इंजेक्शन के माध्यम से नशे की लत थी और आरोपी उसे नशीला पदार्थ उपलब्ध कराते थे।

जीटी रोड पर मिले शव मामले में हत्या का केस

गन्नौर। जीटी रोड स्थित अपोलो इंटरनेशनल स्कूल के समीप अर्धनग्न अवस्था में मिले अज्ञात व्यक्ति के शव के मामले में बड़ी थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चोटों के निशान मिलने के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गौरतलब है कि 25 जून की सुबह करीब 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव सड़क किनारे पड़ा मिला था। मृतक के हाथ पर बने दिल के निशान में दिनेश नाम लिखा हुआ मिला है, जिसके आधार पर उसकी पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। मौके से शराब की बोतल भी बरामद हुई थी। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। साथ ही मृतक की पहचान और हत्या के आरोपित तक पहुंचने के लिए जांच जारी है।

खरखौदा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान ने गति पकड़ी

खरखौदा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार वर्ष 2026 के लिए मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य चल रहा है। इस संबंध में उपमंडल अधिकारी (ना.) एवं निर्वाचक पंजीयन अधिकारी ने क्षेत्र के सभी पात्र मतदाताओं से अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। एसडीएम ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे और अपात्र व्यक्तियों के नाम हटाए जा सकें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता को अपना गणना प्रपत्र (एनुमरेशन फॉर्म-ईएफ) सावधानीपूर्वक भरना होगा।
बीएलओ मतदाताओं को फॉर्म भरने में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। एसडीएम ने नागरिकों से अपील की कि वे हाल ही में खिंचवाई गई पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो अपने साथ रखें और भरा हुआ प्रपत्र समय पर बीएलओ को उपलब्ध कराएं तथा उसकी एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।

लक्ष्य से दूर निगम के अधिकारी, 40 करोड़ की वसूली का लक्ष्य

दो दिन में निगम में 22.79 लाख रुपये प्रॉपर्टी टैक्स जमा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सालों से प्रॉपर्टी टैक्स भरने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे उपभोक्ताओं में छूट की अंवधि के दौरान जागरूकता नजर आ रही है। बता दें कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने शहरवासियों को 30 जून तक 100 प्रतिशत ब्याज मुक्त राशि चुकाने की विशेष छूट दी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस योजना का लाभ उठा सके। नगर निगम प्रबंधन ने भी लोगों की सुविधा के लिए अवकाश के दिनों में कार्यालय को खुला रखने का निर्णय लिया है। ऐसे में जो उपभोक्ता ऑनलाइन प्रॉपर्टी टैक्स भरने में असमर्थ हैं, वह निगम कार्यालय पहुंचकर अपना बकाया प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवा सकते हैं। नगर निगम कार्यालय लगातार दूसरे दिन रविवार को अवकाश होने के बावजूद खुला रहा। छूट का फायदा उठाने वाले उपभोक्ताओं की भीड़ प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाने के लिए नगर निगम कार्यालय में जुट रही है। अधिकारियों की मानें तो विभाग की ओर से दी गई ब्याज मुक्त छूट की अवधि में दो दिन के अंदर रविवार तक शहर के 200 से ज्यादा उपभोक्ताओं ने करीब 17 लाख 56 हजार 683 रुपये नकद प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाया है। इनके अलावा 110 उपभोक्ताओं ने 5 लाख 22 हजार 397 रुपये ऑनलाइन प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाया। नगर निगम के पास अब तक कुल 22 लाख 79 हजार 81 रुपये की राशि बकाया प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में जमा की गई है। इसके अलावा कार्यालय में कार्यरत करीब 20 कर्मचारियों ने उपभोक्ताओं की त्रुटियों को भी मौके पर ठीक किया। बता दें कि नगर निगम ने चालू वित्त वर्ष में 40 करोड़ रुपये प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जबकि निगम कार्यालय में अब तक 5 करोड़ रुपये से ज्यादा बकाया प्रॉपर्टी टैक्स जमा हो सका है।

सोनीपत। नगर निगम में प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाते लोग।

फैक्ट्री के गार्डों को बंधक बनाकर क्वाइल चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

मोहाना थाना क्षेत्र के गांव रतनगढ़ स्थित एक फैक्टरी में देर रात बदमाशों ने धावा बोलकर ट्रांसफार्मर से तांबे की क्वाइल चोरी कर ली। वारदात के दौरान बदमाशों ने ट्रांसफार्मर का तेल भी बहा दिया, जिससे फैक्टरी मालिक को करीब 10 से 12 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है।भटगांव निवासी संजय कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह दिल्ली के अशोक विहार निवासी अनुज गुप्ता की फैक्टरी में सुरक्षा गार्ड हैं। 27 जून की रात एक वाहन फैक्टरी के बाहर रुका, जिसके बाद 8 से 10 युवक दीवार फांदकर परिसर में घुस आए। आरोप है कि बदमाशों ने उन्हें कमरे में बंद कर दिया और ट्रांसफार्मर से तांबे की क्वाइल निकालकर ले गए। जाते समय उन्होंने ट्रांसफार्मर का तेल भी जमीन पर गिरा दिया।इसी दौरान पास की दूसरी फैक्टरी में तैनात गार्ड सुशील ने विरोध किया तो बदमाशों ने उसके साथ मारपीट कर दी। घायल गार्ड का अस्पताल में मेडिकल कराया गया, जिसमें शरीर पर तीन चोटों की पुष्टि हुई।पुलिस ने शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर विभिन्न धाराओं व विद्युत अधिनियम की धारा 136 के तहत मामला दर्ज किया है।

जुम्मन जब हज करने गए थे , तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है।
- ***मुंशी प्रेमचंद***

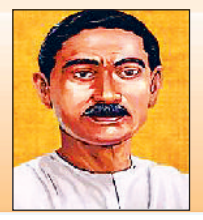

कहानी

आशा खत्री 'लता'

मेरा बच्चा कहां है

कल दोपहर से बूंदाबांदी हो रही थी। ऐसे में गली के कुत्ते भी प्रातः नजर नहीं आये तो मैं उनकी रोटी की प्लेट अंदर रख गयी। गोशाला से आने के बाद भी वे नहीं दिखे।

अपने बच्चे को न पाकर वह विचलित सी बाहर भाग गई। शायद अब भी एक मां की तरह उसे आस थी कि उसका बच्चा यहीं-कहीं मिलेगा। उस लाचार मां की बेचैनी मेरे हृदय को बेध रही थी।

मैं रसोई में व्यस्त थी कि पड़ोस में रहने वाली मधु का फोन आया-

"दीदी जी, ये छोटा पिलूरा गाड़ी के टायर से थोड़ा चोटिल हो गया है। कृपया आप मुझे पशु पीड़ित संघ का मोबाइल नंबर दे दीजिए।"

"ओह! अरे ये कैसे हो गया? अभी देती हूं।"

मैंने तुरन्त सम्बन्धित नम्बर उसे वाट्सऐप कर दिया। मधु की आवाज से ही पता चल रहा था कि वह बहुत परेशान है। ऐसे किसी भी घटनाक्रम पर वह सबसे पहले और सबसे अधिक बेचैन होती है। अतः मैं पिल्ले और मधु दोनों की अवस्था का ध्यान करते हुए तुरन्त बाहर भागी। वहां पहुंचकर मैंने देखा कि गली में खेलने वाले लगभग चार महीने के श्वान-शावकों में से अन्तिम बचा हुआ भूरू अचेत पड़ा है। हमने उसे सचेत करने की कोशिशें की। कुछ प्रयास के बाद उसने आंखें खोली तो मैंने उसे प्यार से दुलारते हुए उठने को प्रेरित किया। दरअसल, यह पिलूरा हमारे पालतू शित्जु ओकू का दोस्त बन गया था। सबके मना करने के बावजूद मैं उन दोनों को साथ खेलने देती थी। ओकू सवा साल का हो गया था। उसकी नस्ल के कुत्तों का अधिकतम कद उसने पा लिया था फिर भी वह उस चार माह के बच्चे से छोटा दिखता था। वे दोनों जब खिलारी करते तो मेरे मन को ओकू की प्रसन्नता देख सन्तोष होता। इसी कारण वह अन्य पिलूरों से अधिक प्रिय हो गया। सुबह-शाम रोटी डालते हुए मैं उसका विशेष ध्यान रखती। इस समय वही भूरू मरणासन्न अवस्था में सामने था। गाड़ी का टायर उसके ऊपर से गुजर गया प्रतीत हो रहा था। हालांकि खून वगैरह नहीं निकला था, परन्तु पिछली दोनों टांगें निष्प्राण दिख रही थी।

मधु उसके लिए पानी लाई। उसने पीने की कोशिश भी नहीं की। उसकी मां, पिता और दूसरे साथी उसे देखने आये और वापस लौट गए। जैसे किसी घर में कुछ हुआ देखकर पड़ोसी झांककर निकल जाते हैं। इस बीच मैंने पशु पीड़ित संघ को फोन कर दिया। जगह बताई तो उसने अभी पहुंचने का आश्वासन दिया। पिल्ला बहुत प्रेरित करने पर उठने का प्रयास करने लगा। उसकी अगली दोनों टांगें सही थी, परन्तु पिछली टांगें मात्र घिसट रही थी, वह थोड़ा सरककर अंततः बैठ गया। लगभग दस मिनट में कुत्ता उठाने वाली गाड़ी आ गयी। वह एक छोटी जालीदार गाड़ी थी। उसमें से जो व्यक्ति उतरा, उसे देखकर भूरू दर्द में होने के बावजूद पास ही खड़ी एक गाड़ी के नीचे सरक गया। तब तक उसके अन्य साथी भी वहां एकत्रित हो गए और जोर-जोर से भौंकने लगे। जैसे उन्हें उसके आने के तात्पर्य का आभास हो गया हो। गाड़ी वाले ने रस्सी बन्धा हुआ एक लोहे का डंडा जो आगे से मुड़ा हुआ था, निकाला और उसकी मदद से घायल भूरू को कार के नीचे से बाहर खींच गाड़ी में डाला। उसके साथियों ने विरोधस्वरूप भौंकना और तेज कर दिया। ज्ञात होते हुए भी हमने अनुरोध किया कि इसके ठीक हो जाने के बाद इसे यहीं छोड़ जाना भइया। कुछ उसके प्रति स्नेह, चोट लगने की आत्मग्लानि और उसकी मां की बेचैनी देखकर हमारा ऐसा कहना स्वाभाविक ही था।

मैंने उसे कह दिया था कि मैं कल सुबह इसे देखने आऊंगी। अतः इसका टैग वगैरह ठीक से लगा देना। गाड़ी आने से पहले मैंने उसकी छोटी सी वीडियो बना ली थी। गाड़ी वाला दरवाजा बंद कर चालक शीट पर आ गया। गाड़ी चल दी तो गली के कुत्ते पीछे दौड़ पड़े। मैं उन मूक जीवों की असहायता पर नम आंखों से मन परिवर्तन के लिए घर के बाहर स्थित छोटे से बगीचे का जालीदार किवाड़ खोलकर पेड़-पौधों को देखने लगी। तभी भूरू की मां तेजी से आयी और गमलों के आस-पास खोजने लगी। अपने बच्चे को न पाकर वह विचलित सी बाहर भाग गई। शायद अब भी एक मां की तरह उसे आस थी कि उसका बच्चा यहीं-कहीं मिलेगा। उस लाचार मां की बेचैनी मेरे हृदय को बेध रही थी। मेरी दिनचर्या है कि मैं नित्य प्रातः छः बजे पड़ोस में रहने वाली अनुपमा के साथ पशु पीड़ित शाला में जाती हूं। हम वहां गायों को रोटी देने के अतिरिक्त चारा खिलाकर पानी पिलाते हैं। हम उक्त संस्थान के उस हिस्से में जाते हैं, जहां अत्यधिक पीड़ित, बीमार, घायल पशु रखे जाते हैं। यहां अधिकांश गायें, बछड़े-बछड़ी और नन्दी आदि के साथ एक कटड़ा, दो गधे, दो बकरी तो काफी दिनों से हैं, कुछ नील गाय के बच्चे भी हैं। पशु स्वस्थ हो जाये तो दूसरे परिसर में भेज दिए जाते हैं। यह नहर के साथ बना हुआ है और नहर की दूसरी पटरी के निकट कुतों, बन्दरों व पक्षियों का आश्रयस्थल है। इसमें अनेक पक्षी, बन्दर, खरगोश तथा सैकड़ों कुत्ते हैं। यह सब एक संकल्पी, दयावान व्यक्तित्व द्वारा मूक जीवों के लिए बनाया हुआ आश्रयस्थल है। मैंने रास्ते में इस घटना का पूरा विवरण अनुपमा को बताया। अपने दैनिक कार्य से निपटकर जब हम बाहर आये तो मैंने भूरू को देखने की बात कही। वह सहर्ष तैयार हो गई। नहर पर पुल निर्माण के चलते हम जानकारी के अभाव में दूसरे पुल से घूमते हुए काफी लम्बे रस्ते से श्वान-शाला पहुंचे। वहां अपने कार्य में तल्लीन कुर्सी-मेज पर बैठे युवक से मैंने भूरू के बारे में बताते हुए उसकी हालत की जानकारी चाही। हमने देखा कि उसके मोबाइल में कल की ही तारीख में ऐसे कई कुत्तों की वीडियो थी। उसने जिस कुत्ते का चित्र दिखाया, वह भूरू से कुछ भिन्न था। ऐसे में मैंने उसकी जो वीडियो बनाई थी, वह काम आयी। मैंने उसे दिखाया तो उसने बताया कि इसका टैग नम्बर 45702 है।

हमारे आग्रह पर वह हमें उससे मिलवाने ले चला। गलियारे के दोनों ओर जालीदार बाड़ लगे परिसर में कुत्ते घूम रहे या लेटे-बैठे थे। हमें उनमें भुरू कहीं नहीं दिखाई दिया। गलियारा समाप्त होने के बाद खुले में कुछ कुत्तों को पसरे देखा।

"अरे, ये रहा हमारा भूरू" मैंने एक की ओर संकेत कर कहा।

"यह कुछ बड़ा नहीं है क्या?" अनुपमा ने शंका जताई।

"नहीं अनुपमा, यही भूरू ही है, लेटा हुआ लम्बा लग रहा है।" मैंने उसकी शंका दूर की।

हमारी बातचीत के दौरान ही उस युवक ने टैग जांचा तो वह भूरू ही था। उसमें कोई हरकत न देख मैं बोल पड़ी-

"ये ऐसे निश्चेष्ट क्यों पड़ा है ?"

"यह जिन्दा नहीं है, मैम।"

"परन्तु मुझे तो यह सोया हुआ लग रहा है ?"

"सॉरी मैम, हम इसे नहीं बचा पाये। आन्तरिक चोट बहुत गहरी थी।" भूरू नहीं रहा, यह जानकर मन अत्यधिक व्यथित हो उठा। उसकी निष्प्राण देह के समक्ष अपनी संवेदनाएं और पछतावा व्यक्त कर मैंने उसकी फोटो ली। अभी कुछ महीने पहले भी हमारी गली का ही एक कुत्ता जो भूरू से पहले इसकी मां से जन्मा था, डिस्टेम्पर की बीमारी से चल बसा था। वह शायद सात-आठ माह का रहा होगा। वह भी ओकू का बहुत प्यारा दोस्त था। वे दोनों गेट पर बैठकर जैसे बतियाते थे, खेलते थे।

मैंने उसको अंतिम बार जब पिंजरे में लेटे देखा था, वही कारुणिक दृश्य स्मरण हो आया। तभी एक युवक को बुरी तरह से घायल कुत्ते की मरहमपट्टी करते देख मन को कुछ चैन मिला। कुत्ते की मौत बहुत कष्टदायी होती है। परन्तु इन सेवकों के सहारे ये स्वस्थ होते हैं या सम्भाल के साथ जीवन पूरा करते हैं। हम लौट रहे थे तो देखा कि हम छोटे रास्ते पर ध्यान न देते हुए बिना किसी से पूछे लगभग एक किलोमीटर का रास्ता तय करके आए थे। क्योंकि भूरू से मिलने की उत्कट चाह में इस ओर ध्यान ही नहीं गया। वापसी पर मैं और अनुपमा दुखी मन से भूरू और उसके परिवार की बातें करते रहे। हमें लग रहा था कि बढ़ते वाहन मानव सहित अन्य प्राणियों की भी मौत या अपंगता का कारण बनते जा रहे हैं। घर पहुंची तो एक विवश मां की ममता ने मेरी हृदयतन्त्री को झिंझोड़कर रख दिया।

कल दोपहर से बूंदाबांदी हो रही थी। ऐसे में गली के कुत्ते भी प्रातः नजर नहीं आये तो मैं उनकी रोटी की प्लेट अंदर रख गयी। गोशाला से आने के बाद भी वे नहीं दिखे। अब भोंकने की आवाज सुनकर बाहर निकली तो कुछ दूर भूरू की मां और उसकी साथिन दिखाई दी। पुकारा तो दोनों दौड़ी आई। मैंने उनके सामने दही लगे रोटी के टुकड़े रखे। बड़ी ने तुरंत खाने शुरू कर दिए, परन्तु भूरू की मां ने उनकी ओर देखा भी नहीं। वह मुझे चकित करते हुए घर में घुसी और आंगन में किसी को खोजने लगी और न पाकर उदास, मायूस मेरी ओर मुंह उठाकर खड़ी हो गई, जैसे मुझसे पूछ रही हो-

'मेरा बच्चा कहां है?... कल तुमने भिजवाया था न ? तो आज उसे लेकर क्यों नहीं आई?'

मैं उसकी निरीह आंखों का सामना नहीं कर पा रही थी। तभी वह मेरे पांवों को सूंघने लगी। उसकी आंखों में दर्द ही दर्द था। होता भी क्यों न! चार बच्चों में से अकेला भूरू ही तो बचा था, वह भी इन्सानों की बेपरवाही से अकाल कालकवलित हो गया। मैंने कुछ देर उसका सिर सहलाया, फिर उदास मन और बहते आंसुओं के साथ दरवाजा खुला छोड़ अंदर चल दी।

पुस्तक समीक्षा

'नन्ही कहानियां बड़े काम' सराहनीय प्रयास

समीक्षक

डॉ मधुकांत

डॉ. अंजना गर्ग द्वारा लिखित पुस्तक 'नन्ही कहानियां बड़े काम' बाल साहित्य के क्षेत्र में एक सराहनीय प्रयास है। यह पुस्तक केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि बच्चों के कोमल मन में नैतिक मूल्यों और संस्कारों के बीज बोने का एक सशक्त माध्यम है। लेखिका ने अपने अनुभवों को कहानियों के रूप में पिरोया है, जो उनकी संवेदनशीलता और बच्चों के प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है। पुस्तक की शुरुआत एक भावुक भूमिका से होती है, जहां लेखिका स्पष्ट करती हैं कि बचपन केवल एक उम्र नहीं, बल्कि मन का एक संसार है। उन्होंने अपनी मां से सुनी कहानियों और बच्चों के साथ बिताए वक्त को अपनी प्रेरणा बताया है। पुस्तक में कुल 15 कहानियां संकलित हैं, जिनमें 'होली की मिठास', 'काकी की बकरी', 'मेहनती चिड़िया' और 'सच्ची दोस्त' जैसे शीर्षक शामिल हैं। ये कहानियां रोजमर्रा की घटनाओं से जुड़ी हैं, जिससे बच्चे आसानी से जुड़ाव महसूस कर पाते हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रथम कहानी 'होली की मिठास' भाई-बहन के बीच के मनमुटाव और फिर सुलह की एक बेहद प्यारी कहानी है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे छोटे बच्चों से अनजाने में गलती हो जाती है और फिर वे अपनी मासूमियत से उस गलती को सुधार कर बड़ों का दिल जीत लेते हैं। यह कहानी बच्चों को माफी माँगने और मिलजुल कर त्योहार मनाने की प्रेरणा देती है। इसी तरह अन्य कहानियां भी परोपकार, त्याग, लालच से बचाव और मेहनत जैसे महत्वपूर्ण जीवन मूल्यों को सरल भाषा में समझाती हैं। पुस्तक की भाषा अत्यंत सरल, सुबोध और प्रवाहमय है। छोटे वाक्यों का प्रयोग किया गया है ताकि बच्चे स्वयं भी इसे पढ़ सकें और समझ सकें। कहानियों का परिवेश भारतीय है, जो बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ता है। पुस्तक का आकर्षक आवरण और भीतर दिए गए श्वेत-श्याम चित्र कहानियों को जीवंत बनाते हैं। चित्र बच्चों की कल्पनाशीलता को विस्तार देते हैं और उन्हें कहानी के पात्रों के करीब ले जाते हैं। कौशिक पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का मुद्रण साफ-सुथरा है। 'नन्ही कहानियाँ बड़े काम' अपने नाम को सार्थक करती है—ये कहानियाँ भले ही नन्ही और संक्षिप्त हैं, लेकिन इनका प्रभाव बच्चों के चरित्र निर्माण में बहुत बड़ा और दूरगामी सिद्ध हो सकता है। यह पुस्तक विशेष रूप से प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी है। यह पुस्तक हर उस घर और पुस्तकालय का हिस्सा होनी चाहिए जहाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जाती है। यह नन्हे मन को बड़े सपने देखने की प्रेरणा देने वाली एक उत्कृष्ट कृति है।

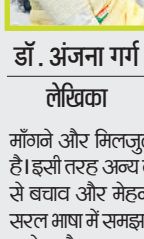

डॉ. अंजना गर्ग

लेखिका

कवि कॉर्नर

कविता

सुधीर ढांडा

छोटी-छोटी बातें

छोटी-छोटी बातों को लेकर रिश्ते टूट जाते हैं,
ये कैसी हवा चली पल में परिवार बिखर जाते हैं।

जरा सी भी सुनता नहीं कोई एक दूसरे की अब,
माँ बाप कुछ कह दे पल मे बच्चे रूठ जाते हैं।

हँसी मजाक करना भी छोड़ गए एक दूसरे से लोग
किसी से मजाक कर लिया तो लोग दुश्मन बन जाते हैं।

भाई से भाई इतना हो गया हैं दूर जैसे जानते ही नहीं
जमीं के छोटे टुकड़े को लेकर आपस में हो खून जाते हैं।

सोच आखिर कैसे बचेंगे ये आपसी रिश्ते सुधीर,
टूटते रिश्ते देखकर लिखने को हो मजबूर जाते हैं।

कविता

मनीषा मंजरी

दर्द की निरंतरता

ठहरना मुझको आता नहीं,
बहाव साथ ले जाता नहीं,
लहरें टकराती हैं मुझसे,
पर सागर पास बुलाता नहीं।

सूरज तो सजता है हर दिन क्षितिज पर,
लेकिन अंधेरों से मेरे लड़ पाता नहीं,
एक दीया चौखठ पर जलाऊं भी कैसे,
कि आँधियों को मेरी वो माता नहीं।

मोती उम्मीदों के मिलते हैं बहुत,
पर वो धागा चाहतों को बुन पाता नहीं,
खफा हो जाऊं अतीत से अब मैं,
पर पल आज का मुझको लुभाता नहीं।

शहर बारिश में डूबा पड़ा है, बस बादल है
की आँखों तक मेरी पहुँच पाता नहीं,
कहीं दूर एक बंजर भूमि खड़ी है,
भावनाओं का द्वन्द अब जिसे रुलाता नहीं।

एक धुंआ है जिसमे सबकुछ छुपा है,
और एक सच है जो कोई जान पाता नहीं,
कभी देख पाए खुद की गलती ये इंसा,
ऐसा शीशा किसी को नजर आता नहीं।

जिसे वीरानों की तालाब हो, महफिलों का
शोर उससे सहन हो पाता नहीं,
एक रास्ता है जिस पर साथ चलते तो सब
हैं, पर जो गिरे तो हाथ को बढ़ाता नहीं।

कहानी वो दिलचस्प बहुत थी कि,
वो किरदार खुद को अब बचाता नहीं,
दर्द की निरंतरता हीं ऐसी थी, कि जख्म
उसका कभी पूरा भर पाता नहीं।

देश का भविष्य मोबाइल की गिरफ्त में

बचपन

आसिम अनमोल

बच्चों की दुनिया कितनी मासूम हुआ करती थी। बच्चों को खुद नहीं पता होता था कि वो कब सोएंगे कब जागेंगे। क्या खाएंगे क्या पिएंगे। कितना चुप रहेंगे और कितना बोलेंगे। अपनी रूचि के अनुसार कहां घूमने जाएंगे और कहां नहीं। यह सब देवता समान माता पिता ही तय करते थे। माता पिता की हर एक आज्ञा का पालन बच्चों के द्वारा पूरी सहजता पूरे सम्मान से ख़ुशी ख़ुशी किया जाता था। आज के मशीनी युग में बच्चों की दुनियां को लेकर बच्चों की प्रायं घट रही हर गतिविधियों का हर दृश्य उल्टा-पुल्टा ही देखने को मिल रहा है। इसके पीछे अपने भविष्य को दांव पर लगाते बच्चों का मोबाइल की दुनियां में निरंतर चिपके रहना अपने आपमें बहुत ही दुःखद है।

बच्चे जिनका कोमल मन यह समझने में सक्षम ही नहीं है कि जिस डिजिटल दुनियां में वो खोए हुए हैं ,वो सारी वर्चुअल व्यवस्था ही बच्चों की सोचने-समझने की सलाहियत और मानसिकता को पूरी तरह तहस नहस कर रही है। बच्चों की नाजुक मानसिकता पर जब इस बिते भर के मोबाइल का सुनियोजित तरीके से गलत प्रभाव पड़ता है ,तो बच्चे यह सोचने में पूरी तरह नाकाम हो जाते हैं कि उनके भविष्य के साथ ऐसा खिलवाड़ हो सकता है जिसकी भरपाई बरसों बरस तक नहीं की जा सकती। बच्चों के जीवन को पूरी तरह हाइजेक कर रहा मोबाइल अब अपनी मर्ज़ी से बच्चों को बिगाड़ने पर

आमादा है। इसी कारण बच्चें भी पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगा पा रहे हैं ,और बच्चों की शिक्षा बुरी तरह बाधित हो रही है।

सर्वे बताते हैं कि आधुनिकता में खोए हुए आज के आधुनिक बच्चे घरेलू खेलों से दूर होते जा रहे हैं। जो बच्चे पहले प्ले ग्राउंड में खेलने जाते थे। लूडो ,कैरम , आइस पास , इंडोर गेम में दिलचस्पी लेते थे। आज वो स्मार्ट फ़ोन से चिपके रहते हैं। माता-पिता की जरूरी आवाजे भी उनके कानों को बुरी लगती हैं। मोबाइल के अंधे प्रेम के आगे बच्चे अपने माता-पिता का खुलेआम अनादर कर रहे हैं। बच्चों को अपने आसपास हो रही क्रिया कलाप से भी कोई मतलब नहीं रहता। आजकल के बच्चे स्क्रीन स्क्रॉल के एडिक्ट होते जा रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स यानी छोटे-छोटे तकनीकी उपकरण ने हर उम्र के लोंगो की जिंदगी तबाह कर दी है। इसीलिए बच्चों के अंदर तनाव, चिंता, चिड़चिड़ापन और अवसाद बच्चों के बिहेवियर में साफ़ दिख रहा है। आज के बच्चे इतने स्क्रीन डोमिनेटेड लाइफ स्टाइल के गुलाम होते जा रहे हैं कि वे अलग तरीक़े से कुछ कम्युनिकेट करना चाहते हैं। आखिर ऐसी कौन सी बातचीत है जो बच्चे आज के समय में जीवन को खतरे में डालकर करना चाह रहे हैं।

वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर बिखरी हल्की सामग्री बच्चों के दिलों दिमाग़ पर बहुत ग़लत प्रभाव डाल रही है। यही मुख्य कारण है कि बच्चे अपने ही माता-पिता से नज़दीकी का एक अच्छा रिश्ता नहीं बना पा रहे हैं। बच्चों का बाल मन जो अपने अभिभावक के द्वारा दी गई अच्छी परवरिश की तरफ़ आकर्षित होना चाहिए, वो नाजुक बाल मन मोबाइल चलाने की प्रतिस्पर्धा में ख़र्च हो रहा है। सोचनीय प्रश्न है ऐसी स्थिति में जो बच्चें मानसिक रूप से पूरी तरह हार रहे हैं, उनके क़ीमती जीवन स्तर को विजय के शिखर तक पहुंचाने की बहुत बड़ी एक पारिवारिक और सामाजिक चुनौती सामने आ गई है। बच्चों की दुनियां जो मोबाइल तक सिमट रही है उसके पीछे बच्चों का ज्यादा देर तक रात को जागना भी जिम्मेदार है। बच्चों के अंदर स्मार्टफ़ोन का बढ़ता उपयोग एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। हाल ही में शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में साफ़ आया है कि छात्र-छात्राएं स्कूलों के दौरान भी मोबाइल का उपयोग करने से नहीं हिचक रहे हैं। बच्चों द्वारा पाठ्यक्रम कम पढ़ा जा रहा है।

मोबाइल के अंदर आभासी दुनिया की हिंसक सामग्री की स्टडी बड़ी जिम्मेदारी से की जा रही है। शिक्षण संस्थानों तक में बच्चों की नजरे मोबाइल पर प्रति दिन लगभग सत्तर - पचहत्तर बार जाती हैं, जो बच्चों के हित में नहीं कही जा सकतीं। इन सब चीजों से बच्चों का अध्ययन , प्रदर्शन ,ध्यान , और आत्म विश्वास बुरी तरह कमज़ोर होता है। इससे बच्चों की पढ़ाई करने के फोकस पर भी पूरी तरह से ध्यान हट जाता है। कुल मिलाकर बच्चों के संस्कारिक जीवन को बचाना है तो आधुनिक और आभासी दुनियां के बारे में बच्चों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है।

बच्चों के अंदर मोबाइल देखने की ललक को आप त्वरित ठीक नहीं कर सकते। इसके लिए बच्चो के अंदर संतुलित और डिजिटल अनुशासन के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी है।

कुछ हटकर

एसईओ कंटेंट राइटिंग: डिजिटल युग का सबसे उभरता करियर

सेंट्रल डेस्क

डिजिटल दुनिया के विस्तार के साथ आर्ट और मानविकी के छात्रों के लिए भी रोजगार के नए अवसर तेजी से उभर रहे हैं। इनमें एसईओ (सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन) कंटेंट राइटिंग युवाओं के लिए एक आकर्षक करियर विकल्प बनकर सामने आया है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां भाषा पर पकड़, रचनात्मक सोच और डिजिटल तकनीक की समझ का मेल होता है। आज कंपनियां, मीडिया संस्थान और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अपनी ऑनलाइन मौजूदगी मजबूत करने के लिए एसईओ कंटेंट राइटर्स की तलाश कर रहे हैं। ऐसे में कला और मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए यह क्षेत्र रोजगार और स्वरोजगार दोनों की बेहतरीन संभावनाएं प्रदान करता है।

ये है अर्थ

एसईओ कंटेंट राइटिंग वह प्रक्रिया है, जिसमें ऐसा लेख, ब्लॉग या वेब कंटेंट तैयार किया जाता है जो पाठकों के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ गूगल जैसे सर्च इंजन में भी बेहतर रैंक प्राप्त कर सके।

12वीं के बाद रोडमैप

बीए या कोई भी स्नातक कोर्स करें। एसईओ और डिजिटल मार्केटिंग का ऑनलाइन कोर्स करें। ब्लॉग लिखने की नियमित प्रैक्टिस करें।

मुख्य कार्य

- ब्लॉग और आर्टिकल लिखना
- वेबसाइट कंटेंट तैयार करना
- कीवर्ड का सही उपयोग
- मेटा टाइटल व डिस्क्रिप्शन बनाना
- कंटेंट को सर्च इंजन के अनुसार ऑप्टिमाइज करना

आवश्यक कौशल

- हिंदी या अंग्रेजी भाषा पर मजबूत पकड़
- रिसर्च करने की क्षमता
- डिजिटल मार्केटिंग की बुनियादी समझ
- कीवर्ड रिसर्च का ज्ञान
- रचनात्मक और सरल लेखन शैली
- एआई टूल्स के साथ काम करने की क्षमता

रोजगार के अवसर

- न्यूज वेबसाइट और मीडिया हाउस
- डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियां
- ई-कॉमर्स कंपनियां
- हेल्थ और एजुकेशन पोर्टल
- स्टार्टअप कंपनियां
- कॉर्पोरेट वेबसाइट-ब्लॉगर

आय-सीमा :

- फ्रेशर 15,000 से 25,000 रुपये-2-3 वर्ष अनुभव 30,000 से 50,000 रुपये-अनुभवी प्रोफेशनल 60,000 से 1 लाख से अधिक-फ्रीलांसर 500–5000 रुपये प्रति लेख-अनुभवी लेखक 50,000–1 लाख+ मासिक भी कमा सकते हैं।

क्यों बढ़ रही मांग

- इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में तेजी से वृद्धि
- डिजिटल मार्केटिंग का बढ़ता बाजार
- ऑनलाइन कारोबार का विस्तार
- हिंदी कंटेंट की बढ़ती मांग
- एआई के दौर में भी गुणवत्तापूर्ण मानवीय लेखन की जरूरत

आने वाले वर्षों में डिजिटल कंटेंट की मांग और बढ़ेगी। ऐसे में एसईओ कंटेंट राइटिंग रोजगार परक विकल्प के साथ ही रचनात्मक युवाओं के लिए घर बैठे करियर बनाने का भी सशक्त माध्यम बन सकता है।

मोटिवेशनल

दूसरों की चमक में अपनी पहचान मत खोइए

डॉ. रोहित बंसल

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का दौर तुलना का दौर बन गया है। जैसे ही हम सोशल मीडिया का इस्तेमाल शुरू करते हैं, हमें लोगों की कामयाबी, विदेश भ्रमण, नई गाड़ियां या उनकी आलीशान लाइफ स्टाइल दिखने लगती है। अनजाने में ही हम अपनी जीवनशैली की तुलना दूसरों के साथ करने लगते हैं। मन में यह विचार आने लगता है कि शायद हम पिछड़ रहे हैं, हमारी कामयाबी छोटी है और हमारा जीवन उतना खास नहीं है। मगर वास्तविकता यह है कि हर चमकती फोटो के पीछे एक ऐसी कहानी छिपी होती है, जिसे लोग नहीं देख पाते। दूसरों की सफलता से प्रेरणा लेना सही है, पर इस वजह से अपना आत्मविश्वास और अपनी पहचान खो देना एक बड़ी गलती है। तुलना करने का सबसे बुरा असर यह होता है कि यह धीरे-धीरे हमारी खुशियाँ छीन लेती है। जब हम लगातार दूसरों की सफलता को ही जीवन का मानक मान लेते हैं, तब हम अपने पास मौजूद चीजों का लुत्फ उठाना भूल जाते हैं। यह समझना बहुत जरूरी है कि हर इंसान का जीवन, हालात और उसकी राह अलग होती है। कोई इंसान कम उम्र में कामयाब हो जाता है, तो कोई लंबा संघर्ष करने के बाद अपनी मंजिल पाता है। इसलिए किसी दूसरे की उपलब्धियों के आधार पर अपने जीवन को आंकना सही नहीं है। जिंदगी कोई मुकाबला नहीं है जहाँ सबको एक ही समय पर एक ही लक्ष्य पाना हो। आज के समय में जरूरत इस बात की है कि हम दूसरों से मुकाबला करने के बजाय अपने बीते हुए कल से मुकाबला करें। यदि हम कल के मुकाबले आज बेहतर सोच रहे हैं, नया सीख रहे हैं और एक बेहतर इंसान बन रहे हैं, तो यही असली सफलता है। जब हम अपनी खूबियों को पहचानते हैं और अपनी कमियों को अपनाते हैं, तब हम दूसरों की चमक से प्रभावित होने के बजाय खुद को और बेहतर बना पाते हैं।जीवन की वास्तविकता यही है कि हर व्यक्ति खास है। हमारी पहचान केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि हमारे विचारों, मूल्यों, व्यवहार और जीने के ढंग से होती है। इसलिए दूसरों की चमक देखकर खुद को छोटा न समझें। अपने सपनों पर भरोसा रखें, अपने सफर का आदर करें और अपनी छोटी-बड़ी प्रगति का आनंद लें।

लघु कथा

जाहिल

कायनात की मैटरनिटी लीव समाप्त हो चुकी थी। आज उसे सरकारी अस्पताल में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ के रूप में फिर से ड्यूटी जॉइन करनी थी। सुबह की भागदौड़ में वह अपनी नन्ही बेटी अदा को भी तैयार कर रही थी। टिफिन पैक करते हुए उसने पति जहीर से कहा, "प्लीज, मेरी हेल्प कर दो और अदा का डायपर बदल दो।"

जहीर ने हिचकिचाते हुए मना कर दिया।

प्रतिभा सुमन 'रजनीगंधा'

कहानीकार

कायनात ने सोचा कि शायद वह इस काम में सहज नहीं है, इसलिए बिना बहस किए उसने स्वयं बेटी को तैयार किया, बेबी बैग उठाया, टैक्सी बुलाई और अस्पताल चली गई। लेकिन जहीर का व्यवहार उसके मन में दिनभर सवाल बनकर घूमता रहा।

रात को उसने शांत स्वर में पूछा, "सुबह तुमने अदा का डायपर बदलने से इनकार क्यों किया?"

जहीर का उत्तर सुनकर कायनात के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। उसकी बातों से उसे महसूस हुआ कि पति की सोच असामान्य और अत्यंत चिंताजनक है। उसने यह भी समझ लिया कि यह केवल एक घरेलू बहस नहीं, बल्कि उसकी बेटी की सुरक्षा और भविष्य का प्रश्न है। कायनात ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन जहीर अपनी बात पर अड़ा रहा। उस क्षण कायनात के सामने पत्नी होने से पहले एक माँ का दायित्व खड़ा था। उसने बिना देर किए अदा के कपड़े समेटे, टैक्सी बुलवाई और बेटी को गोद में लेकर घर छोड़ दिया। पूरे रास्ते वह अदा को सीने से लगाए रही। उसकी आंखों में आँसू थे, लेकिन मन में एक दृढ़ विश्वास भी था कि किसी भी मां के लिए अपने बच्चे की सुरक्षा सबसे बड़ा धर्म है। उसने अपने पिता को फ़ोन मिलाया और उनसे सहायता मांगी। कायनात जानती थी कि यह निर्णय आसान नहीं है। एक परिवार टूट रहा था, लेकिन वह यह भी समझ चुकी थी कि जहां विश्वास समाप्त हो जाए और बच्चे की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग जाए, वहां समझौता नहीं, साहस आवश्यक होता है। कभी-कभी जीवन की सबसे कठिन राह ही भविष्य की सबसे सुरक्षित मंजिल बन जाती है।

सेक्टर-14 व चिंतपूर्णी कॉलोनी में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाली

हरिनाम के हीरे मोती मैं बिखराउ गली-गली भजन गाकर मोहा मन

सोनीपत। चिंतपूर्णी कॉलोनी में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकालते इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

इस्कॉन प्रचार समिति ने रविवार को शहर के सेक्टर-14 व चिंतपूर्णी कॉलोनी में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी सेक्टर-14 में भगवान को दीपदान व तुलसी पूजन के साथ प्रारंभ की गई। समिति सदस्यों ने सेक्टर सहित चिंतपूर्णी कॉलोनी में घर-घर जाकर श्रद्धालुओं को हरिनाम की महिमा के बारे में बताया। हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी का मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह स्वागत किया। इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से प्रसाद वितरण किया गया।

इसके बाद प्रभातफेरी डॉ. कैलाश गुप्ता के निवास पर हरिनाम संकीर्तन के साथ संपन्न हुई। संकीर्तन में रघु कुमार दास ने भगवान के भजन सुनाकर माहौल को भक्तिमय बनाया। जिसमें हरिनाम के हीरे मोती मैं बिखराउ गली-गली भजन गाकर श्रोताओं का मन मोह लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं को हरिनाम के महत्व व महिमा से अवगत कराया।

ये रहे मौजूद

प्रभातफेरी में भागवत तत्व दास, शांत नरसिंह दास, बृज नारद दास, कृष्ण कुमार गर्ग, मास्टर जयभगवान, रामसेवक दास, सुंदर, जयप्रकाश, सुप्रसाद हरिदास, नरेश सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।

श्रीमद भागवत कथा में श्री कृष्ण लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया

गन्नौर। फाउंडेशन द्वारा आयोजित बादशाही रोड स्थित श्री राम मंदिर में आयोजित तृतीय श्रीमद भागवत कथा एवं श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। कथा के दौरान कथा वाचक प्रीति रामानुज जी ने भगवान श्री की लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और सदाचार का संदेश दिया। उनके प्रवचनों को सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। महोत्सव के अंतिम दिन मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन योगेश कौशिक कथा स्थल पहुंचे। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर कथा श्रवण किया तथा कथा वाचक पूज्या प्रीति रामानुज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

गन्नौर। मार्केट कमेटी गन्नौर के वाइस चेयरमैन योगेश कौशिक को आशीर्वाद स्वरूप स्मृति चिह्न भेंट करती कथा वाचक प्रीति रामानुज।

विधायक निखिल ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर की अभियान की शुरुआत

- राष्ट्रीयव्यापी पल्स पोलियो अभियान के तहत नागरिक अस्पताल में विधायक निखिल मदान ने एनआईडी बूथ का किया शुभारंभ

सोनीपत। नागरिक अस्पताल में एनआईडी बूथ के शुभारंभ पर विधायक निखिल मदान का स्वागत करती डॉ. नीरज यादव व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विधायक निखिल मदान ने राष्ट्रीयव्यापी पल्स पोलियो अभियान (नेशनल इम्यूनाइजेशन डे-एनआईडी) के अंतर्गत रविवार को नागरिक अस्पताल स्थित पीपीसी सेंटर में एनआईडी बूथ का शुभारंभ किया। उन्होंने 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की विधिवत शुरुआत की। स्वास्थ्य विभाग ने अभियान के तहत 28 से 30 जून तक जिले के करीब 2 लाख से अधिक 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस दौरान विधायक निखिल मदान ने कहा कि भारत को स्थायी रूप से पोलियो मुक्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की दो बूंद पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। केंद्र एवं राज्य सरकार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग इस दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं, जनसहभागिता के माध्यम से ही इस अभियान को पूर्ण सफलता मिल सकती है। उन्होंने आमजन से राष्ट्रीयव्यापी पल्स पोलियो अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि कोई भी बच्चा पोलियोरोधी खुराक से वंचित नहीं रहना चाहिए। अभिभावकों सभी बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर आएं। घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने वाली स्वास्थ्य विभाग की टीमों का भी पूरा सहयोग करें।

विधायक ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता से ही भारत को सदैव पोलियो मुक्त बनाए रखा जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीयव्यापी पल्स पोलियो अभियान के तहत जिलेभर में विभिन्न पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। विभाग की टीमें घर-घर जाकर भी बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाएंगी, ताकि कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक खुराक से वंचित न रहे।

ये रहे मौजूद

इस दौरान जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. नीरज यादव सहित अन्य अधिकारी, नर्सिंग स्टाफ, एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा समाज को सेवा, संस्कार और एकता का संदेश देती है : कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान का श्रीमद्भागवत कथा में सम्मान करते हुए ।

श्रीराम मंदिर में तृतीय श्रीमद्भागवत कथा एवं श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ, पूर्णाहुति और विशाल भंडारे के साथ श्रद्धापूर्वक समापन हो गया। समापन समारोह में गन्नौर के विधायक देवेंद्र कादियान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। आयोजकों ने उनका स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। विधायक ने कथावाचक पूज्या प्रीति रामानुज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा हवन-यज्ञ में भाग लिया। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में ऐसे धार्मिक आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। श्रीमद्भागवत कथा समाज को एकता, सेवा और नैतिक मूल्यों का संदेश देती है। युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के लिए ऐसे प्रयास निरंतर होने चाहिए। प्रवचन में कथावाचक पूज्या प्रीति रामानुज जी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मनुष्य को धर्म, भक्ति, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। भगवान का स्मरण और सत्संग जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। इस अवसर पर समाजसेवी अंकित मल्होत्रा, सोनू, कुलदीप आदि मौजूद थे ।

सतगुरु कबीर प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में लगाई छबील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

श्री सतगुरु भरतू शाह आश्रम कबीर चौरा समिति की ओर से रविवार को 629वें सतगुरु कबीर दास प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली रोड स्थित आश्रम के बाहर मीठे ठंडे पानी की छबील लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाई गई। इस सेवा कार्य में आश्रम कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने राहगीरों व आगंतुकों को मीठा शीतल जल वितरित किया। इस दौरान मेयर राजीव जैन ने सतगुरु कबीर साहिब के चित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए और सेवा कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया।

मेयर राजीव जैन ने संत कबीर दास को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन सत्य, समानता, मानवता, सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उनके विचार आज भी समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य कर रहे हैं। संत कबीर की वाणी हमें जात-पात, ऊंच-नीच, भेदभाव से ऊपर उठकर प्रेम, सेवा, सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। आश्रम प्रबंधन समिति के प्रधान पवन सोलंकी ने बताया कि आश्रम में रात 10 बजे से सोमवार सुबह 5 बजे तक सतगुरु कबीर प्रकटोत्सव सत्संग समारोह श्रद्धा भाव व हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। सत्संग समारोह में जिलेभर के श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। इस दौरान रामनिवास, सोमवीर, दीपक सैनी, सूरजभान इंदौरा, जगदीश चंद्र, ओमप्रकाश सरोहा, विनोद नंगल सहित आश्रम की साध संगत, सेवा दल के सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

जनसंख्या नियंत्रण कानून व समान नागरिक संहिता पर डाला प्रकाश

सोनीपत। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद ने रविवार को ऋषि नगर बत्रा कॉलोनी स्थित आर्य समाज मंदिर में अपने 9वें स्थापना दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया। विचार गोष्ठी का शीर्षक जनसंख्या नियंत्रण कानून व समान नागरिक संहिता रहा। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम अतिथियों ने भगवान श्रीराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके की। तत्पश्चात सुदिति ने अपनी ओजपूर्ण वाणी से कविता सुनाकर सभी को झंझोर दिया। साथ ही दोनों कानूनों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

परिषद के जिला अध्यक्ष मेधावी रंजन शर्मा ने सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को स्थापना दिवस बधाई देते हुए संगठन की उपलब्धियों से अवगत कराया।

खबर संक्षेप

आयुष व अमिता दहिया ने बच्चों को पिलाई पल्स पोलियो की खुराक

सोनीपत। जिले में रविवार को विशेष पल्स पोलिया अभियान की शुरुआत की गई। यह अभियान 28 जून से 3 जुलाई तक चलाया जाएगा। अभियान के तहत 0 से लेकर 5 वर्ष तक आयु के जिले के करीब दो लाख बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। वहीं अभियान के दौरान रविवार को पहले दिन बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई गई। अभियान के दौरान आयुष व अमिता दहिया ने जिले के गांव की एक डिस्पेंसरी पर बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई गई। आयुष व अमिता दहिया ने अभिभावकों का आह्वान किया कि सभी माता-पिता अपने 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलवाएं।

नशा मुक्ति में उत्कृष्ट कार्य के लिए संघ समाज कल्याण सेवा समिति को मिला सम्मान

खरखौदा। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर सरकार के सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण तथा अंतोदय (सेवा) विभाग द्वारा नशा मुक्ति के क्षेत्र में सराहनीय काम करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया। समाज कल्याण सेवा समिति निजामपुर खुर्द को नशा मुक्ति के क्षेत्र में जिला स्तरीय उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। समिति को सेवा विभाग के मंत्री कृष्ण कुमार बेदी द्वारा हिसार में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसे समिति के प्रभारी सुरेश कुमार ने ग्रहण किया।

माता की स्मृति में बच्चों को फल बांटे

सोनीपत। स्वर्गीय गीता डबास की स्मृति में उनकी पुत्री संगीता डबास, डिप्टी एक्साइज एंड टैक्सेशन कमिश्नर, हरियाणा ने सेफ इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से 1800 जरूरतमंद बच्चों को फल वितरित किए। यह कार्यक्रम उनकी माताजी के जन्मदिवस पर आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। संगीता डबास ने कहा कि माता-पिता को सच्ची श्रद्धांजलि उनके संस्कारों को सेवा कार्यों के माध्यम से आगे बढ़ाकर ही दी जा सकती है। कार्यक्रम में संजय सिंगला, संजय वर्मा, एडवोकेट अरविंद मित्तल, प्रवीण गोयल, अनिल गुप्ता, दीपक सिंगला, सतीश माथुर, विवेक गर्ग, अनुज मंगला, कंवर लाल गुप्ता और संजीव अग्रवाल सहित अनेक समाजसेवी मौजूद रहे। सेफ इंडिया फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में मानवता और परोपकार की भावना को मजबूत करते हैं।

रक्तदान महादान, जरूरतमंदों की सेवा का सबसे बड़ा माध्यम : बाबा दीपक नाथ

गन्नौर। गांव खुबड़ू स्थित डेरा बाबा समक शाह कृषि धाम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ तपस्वी बाबा दीपक नाथ महाराज ने फीता काटकर किया। श्रद्धालुओं और समाजसेवियों ने भाग लेकर रक्तदान के महत्व को समझा और लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया। हैदराबादी रक्त यूनिट पानीपत द्वारा लगाए गए रक्तदान शिविर में 41रक्तदाताओं ने रक्तदान किया रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए तपस्वी बाबा दीपक नाथ महाराज ने कहा कि रक्तदान महादान है और जरूरतमंद लोगों के जीवन को बचाने का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त किसी व्यक्ति को नया जीवन देने का कार्य कर सकता है। इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। शिविर के आयोजन की जिम्मेदारी डेरा सेवक मनजीत चीमा द्वारा निभाई गई। इस दौरान ओमबीर, योगेंद्र कादियान , वीरेंद्र पूर्व सरपंच कालिना, कृष्ण रापरिया, बलबीर पंडित, कप्तान दूहन गोहाना, हमीर, जोगिंदर धनखड़, सुमित धनखड़ और धर्मेंद्र धनखड़ सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राजनीतिक चेतना से ही समाज का विकास संभव : डॉ. सतबीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कबीरपुर स्थित जिला सैनी भवन में रविवार को वर्तमान परिवेश में संगठित समाज व पंचायतों की भूमिका विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य वक्ता पूर्व एडीसी डॉ. सतबीर सैनी और अध्यक्षता जिला सैनी सभा (रजि.) के अध्यक्ष एडवोकेट महेंद्र सिंह सैनी ने की, जबकि जींद से रमेश सैनी विशिष्ट अतिथि रहे। डॉ. सतबीर सैनी ने कहा कि समाज के विकास के लिए शिक्षा, संगठन और राजनीतिक चेतना आवश्यक है। उन्होंने खाप पंचायतों की सामाजिक भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उनकी मर्यादा बनाए रखने का आह्वान किया। एडवोकेट महेंद्र सिंह सैनी ने कहा कि बदलते समय में पंचायतों की साख प्रभावित हुई है, जिससे सामाजिक ताना-बाना कमजोर पड़ रहा है। उन्होंने बेहतर शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और एकता पर बल दिया। संगोष्ठी में नए सामाजिक संगठनों की बढ़ती संख्या से समाज में एकता प्रभावित होने पर भी चिंता जताई गई। इस अवसर पर कृष्ण सैनी (चेयरमैन, गोहाना मार्किट कमेटी), राजेंद्र सैनी, कृष्ण सैनी ट्रांसपोर्टर, देवेंद्र सैनी, आनंद सैनी, मुकेश सैनी, रामसिंह सैनी, राममेहर सैनी, डॉ. राजबीर सैनी, मनीराम सैनी और कर्मवीर सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ईको क्लब ग्रीन समर कैंप में विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

खरखौदा। राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मटिंडू में ईको क्लब ग्रीन समर कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता से संबंधित अनेक रचनात्मक एवं जागरूकता गतिविधियों में भाग लिया। कैंप में वृक्षारोपण अभियान, कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, ईको पोस्टर निर्माण, जागरूकता सत्र तथा स्वच्छता अभियान जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने सुंदर पोस्टरों एवं उपयोगी मॉडल के माध्यम से पर्यावरण बचाने, जल एवं ऊर्जा संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त समाज तथा स्वच्छ भारत का संदेश दिया। विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

सोसायटी ने आम सभा में वर्ष 2025-26 का प्रस्तुत किया आय-व्यय ब्यौरा

सोनीपत। दी आंबेडकर एजुकेशनल सोसायटी, ककरोई रोड की आम सभा की तीसरी बैठक रविवार को डॉ. आंबेडकर भवन में हुई। बैठक के लिए अनिवार्य 15 प्रतिशत कोरम पूरा होने के साथ ही सभा में 150 से अधिक आजीवन सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 का वार्षिक आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने पास कर दिया। इसके अलावा कार्यकारिणी ने अक्तूबर 2025 से लेकर अब तक के कार्यकाल में किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट सभा के सामने रखी। इस दौरान संस्था के प्रधान राजेश कटारिया, उपप्रधान सुरेंद्र कुमार, सचिव रविंद्र भाटिया, सहसचिव रविंद्र भोला, कैशियर महेंद्र पाल सिंह, कार्यकारिणी सदस्य कुलदीप राज, निरंजन सिंह, सतीश भोरिया, विजय राठी, जसवंत कुमार, दीपक भौरिया वार्षिक रिपोर्ट पर अपने विचार रखें। बैठक में सत्यवान भाटिया, रामसिंह सिंघल, रामकंवर कलसन, करण सिंह राठी, दयाराम बड़गुजर, प्रेम सिंह समरवाल, रामफल सिंघल, राजबीर तूर, रतन सिंह भाटिया, कृष्ण भाटिया, कर्मबीर भौरिया, बसंत चाहलिया, राज सिंह पोरिया, मूलचंद सरोहा, रामकिशन, जयनारायण, राजेंद्र सिंह, पवन कुमार, मनोज मेहरा, बलराज मेहरा, कुलभूषण, ईश्वर, गोपाल कृष्ण, अनीता, सुनीता देवी, कमलेश, मीनाक्षी भाटिया, कांता देवी, शकुंतला देवी, ऊषा रानी मौजूद रही।

रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है : कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गांव दातौली स्थित शिव मंदिर परिसर में रविवार को लायंस क्लब गन्नौर एवं विश्व हिंदू परिषद-बजरंग दल हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ विधायक देवेंद्र कादियान ने किया। इस दौरान 71 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। विधायक ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है। एक यूनिट रक्त किसी गंभीर मरीज या दुर्घटना में घायल व्यक्ति के लिए नया जीवन साबित हो सकता है। उन्होंने स्वस्थ लोगों से समय-समय पर स्वेच्छा से रक्तदान करने का आह्वान किया। इस अवसर पर क्लब प्रधान गौरव त्यागी, सचिव विजय कुमार, नरेंद्र कुमार, आगामी प्रधान अजय त्यागी, मिंटा, हरबीर गोस्वामी, जसबीर, रणधीर आदि मौजूद रहे।

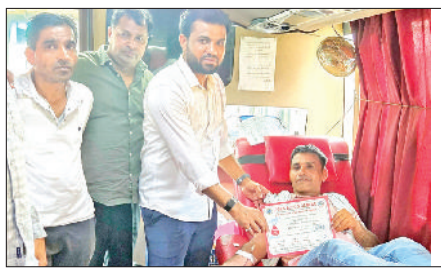

गन्नौर। शिविर में रक्तदाताओं के साथ विधायक देवेंद्र कादियान। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम संत शिरोमणि कबीरदास को जयंती पर याद कर दी श्रद्धांजलि

कबीर ने मूर्ति पूजा, तीर्थ यात्रा और कर्मकांड की आलोचना की

महान कवि और समाज सुधारक थे संत कबीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। संत कबीर को याद करते हुए नागरिक। फोटो : हरिभूमि

महम व बरोदा मार्ग के मध्य स्थित गांधीनगर में रविवार को संत शिरोमणि संत कबीर की जयंती मनाई गई। समारोह में नागरिकों ने संत कबीर के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। मार्गदर्शन समाजसेवी सतबीर पौडिय़ा का रहा।

मुख्य वक्त आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा संत कबीर इतिहास की 15वीं शताब्दी में भक्ति काल के महान कवि एवं महान समाज सुधारक थे। उन्होंने समाज को मानवता, सत्य, प्रेम और समानता का मार्ग दिखाया और किसी एक धर्म का प्रचार करने की बजाय सभी आपस में मिलजुल कर रहने और आंतरिक मन को शुद्ध करने का रास्ता दिखाया। जयंती समारोह की अध्यक्षता पूर्व नगर परिषद विजय निलानिया ने की। उन्होंने कहा संत कबीर ने मूर्ति पूजा, तीर्थ यात्रा और कर्मकांडो की आलोचना की और दिखावे से दूर रहने की सीख दी। उनके अनुसार ईश्वर कण-कण में व्याप्त है। उसे केवल सच्चे प्रेम, त्याग और मानवता के माध्यम से ही पाया जा सकता है।

ये रहे मौजूद

वेदपाल बीरवाल, नारायण सिंह सिमर, राजपाल कश्यप, महावीर राठी, श्री भगवान भोंसले, कुलपति शीला देवी, राजबाला, संतरो, राजदेवी व अन्नु आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों ने चुलकाना धाम का किया भ्रमण

गोहाना। गीता विद्या मंदिर, गोहाना में चल रहे ग्रीष्मकालीन शिविर के सातवें दिन विद्यार्थियों को हरियाणा के प्रसिद्ध धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थल चुलकाना धाम के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण पर ले जाया गया। मार्गदर्शन प्राचार्य अश्विनी कुमार का रहा।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने चुलकाना धाम के धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी प्राप्त की।

रेवाड़ी में स्वास्थ्य मंत्री के आवास पर प्रदर्शन 5 को

गोहाना। बहुदेशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन हरियाणा से जुड़े स्वास्थ्य कर्मी लंबित मांगों को लेकर पांच जुलाई को रेवाड़ी स्थित स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के आवास के सामने प्रदर्शन करेंगे। एसोसिएशन के महासचिव सहदेव र्य सांगवान ने कहा कि कई वर्षों से कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर सरकार और विभाग अधिकारियों के समक्ष अपना पक्ष रख रहे हैं। समाधान नहीं होने से अब आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। सांगवान ने कहा कि प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए 16 जिलों और 90 से अधिक खंडों में बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं।

रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर लगा रहता है ई-रिक्शा व निजी वाहनों का जमावड़ा

रिक्शा चालकों की मनमानी से यात्रियों की छूट रही ट्रेन, सख्ती का भी नहीं असर

रास्ता नहीं मिलने से बढ़ रही परेशानी, शिकायतों के बाद भी समाधान नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

रेलवे स्टेशन पर जहां एक ओर यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएं बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं, वहीं प्रवेश व निकासी द्वार पर ई-रिक्शा, ऑटो व अन्य निजी वाहन चालकों का लगने वाला जमावड़ा यात्रियों की परेशानी बढ़ा रहा है। जिससे अकसर कई बार यात्रियों की ट्रेन छूट रही है। ई-रिक्शा चालक सवारियों को बैठाने की आपाधापी में ट्रेन आने से पहले ही रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार और सीढ़ियों के सामने अपने वाहन अड़ाकर खड़ा कर रहे हैं। ऐसे में कई बार यात्रियों को निकलने तक का रास्ता नहीं मिल पाता, जिससे उनकी परेशानी बढ़ती नजर आ रही है। बता दें कि रेलवे स्टेशन परिसर के साथ दो व चार पहिया वाहन चालकों के लिए अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसके बावजूद नियमों का सरेआम उल्लंघन किया जा रहा है। सोनीपत स्टेशन से रोजाना करीब 40 हजार यात्री दिल्ली, अंबाला, गोहाना, जींद रूट पर ट्रेनों से आवागमन करते हैं। रेलवे की ओर से स्टेशन पर 8 सवारी गाड़ियों सहित 23 एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव निर्धारित किया गया है। दैनिक यात्री उक्त समस्या के बारे में कई बार रेलवे अधिकारियों व जीआरपी थाना में शिकायत कर चुके हैं। कई बार तैनात जीआरपी कर्मी प्रवेश द्वार पर खड़े ई-रिक्शा चालकों को हटवा देते हैं, लेकिन कुछ समय बाद फिर से वहीं स्थिति बन जाती है।

सिटी पल्स

सोनीपत। स्टेशन के प्रवेश-निकासी द्वार पर रास्ता रोककर खड़े किए वाहन।

जीआरपी ने साढ़े 5 माह में काटे 109 चालान

माह	चालान
जनवरी	44
फरवरी	17
मार्च	04
अप्रैल	25
मई	12
जून	07

कर्मचारियों को सख्ताई बरतने के निर्देश

रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर कोई भी वाहन खड़ा करना नियमों का उल्लंघन है। चालकों को अपने वाहन पार्किंग में ही खड़े करने चाहिए। इसके लिए समय-समय पर ई-रिक्शा व अन्य वाहन चालकों को अभियान चलाकर जागरूक किया जाता है। जनवरी से अब तक नियमों का पालन नहीं करने वाले 109 वाहन चालकों के चालान काटे गए हैं, आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। कर्मचारियों को भी सख्ताई बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

-इंस्पेक्टर राजेश, थाना प्रभारी, जीआरपी, सोनीपत

पहले सवारियां लेने को मची रहती है होड़

दैनिक यात्री सुरेंद्र कुमार, गौरव, प्रमोद, नितिन, संदीप कुमार, हैप्पी सिंह, संजय कुमार ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर ट्रेन आने से पहले ही ई-रिक्शा व ऑटो चालकों में सवारियां लेने की होड़ लग जाती है। अधिकतर यात्री ऐसे हैं, जो ट्रेनों के समय पर ही स्टेशन पर पहुंचते हैं। उन्हें दौड़कर ट्रेन पकड़नी पड़ती है। स्टेशन के प्रवेश द्वार पर वाहनों की भीड़ लगी रहने से कई बार उनकी ट्रेन छूट जाती है। चालक सवारियां लेने के चक्कर में वाहनों को प्रवेश द्वार पर अड़ाकर सीढ़ियों के पास खड़े रहते हैं।

जीआरपी का सख्त रवैया भी फेल साबित

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्टेशन परिसर सहित प्रवेश द्वार पर जीआरपी कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। कर्मचारी सख्ती के साथ ई-रिक्शा व अन्य वाहन चालकों को वहां से हटाने का काम कर रहे हैं, लेकिन जैसे ही पुलिस कर्मी इधर-उधर जाते हैं, तो कुछ ही सेकेंड में प्रवेश द्वार पर ई-रिक्शा, ऑटो चालकों, निजी वाहनों का जमावड़ा लग जाता है। ऐसे में जीआरपी का सख्त रवैया भी ई-रिक्शा चालकों पर फेल साबित हो रहा है।

यह बोले शहरवासी

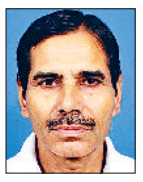

स्टेशन परिसर में चालक अपने वाहनों को पार्किंग में खड़े करने के बाद प्रवेश द्वार पर ही बीच में खड़ा कर रहे हैं। इससे अन्य यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ती है। यात्रियों की शिकायत पर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। *-शिव कुमार, शहरवासी*

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर जितना ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन उतना यहां व्यवस्थाओं का कोई माहौल नहीं है। वाहन चालक जल्दबाजी के चक्कर में सरेआम नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।

-ओमप्रकाश, शहरवासी

हाईटेंशन लाइन मुआवजा मिलने पर विधायक गहलावत का किया सम्मान

ग्रामीण बोले- विधायक ने हमारी आवाज सरकार तक पहुंचाई, बाजार भाव के अनुसार मिला मुआवजा

राई। सैकड़ों ग्रामीण विधायक कृष्णा गहलावत का कार्यालय पहुंचकर आभार व्यक्त करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

हाईटेंशन लाइन के खंभों और तारों के कारण प्रभावित जमीनों के मुआवजे को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे राई विधानसभा क्षेत्र के 17 गांवों के सैकड़ों ग्रामीण शनिवार को ढोल-नगाड़ों के साथ विधायक कृष्णा गहलावत के कार्यालय पहुंचे और उनका आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से चल रहे उनके आंदोलन और मांगों को विधायक ने सरकार तक मजबूती से पहुंचाने का काम किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें बाजार मूल्य के अनुसार मुआवजा मिला। विधायक ने किसानों की समस्या को गंभीरता से लिया और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष मजबूती से रखा। ग्रामीणों ने कहा कि हाईटेंशन तारों और खंभों के लिए पहली बार किसानों को बाजार भाव के अनुसार मुआवजा मिला है। उन्होंने कहा कि यह किसानों की जीत है और विधायक के प्रयासों का परिणाम है।

गहलावत ने सीएम का जताया आभार

विधायक कृष्णा गहलावत ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हल्के राई में अधिकांश किसान छोटे स्तर पर खेती करते हैं। ऐसे किसानों की फसलें हाईटेंशन तारों और खंभों के कारण प्रभावित हो रही थीं। विधायक ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान जब किसान आंदोलन कर रहे थे, तब उन्होंने वादा किया था कि यदि जनता उन्हें और भाजपा को आशीर्वाद देती है तो किसानों की समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता ने उन पर विश्वास जताया और उन्होंने किसानों की आवाज को विधानसभा के साथ-साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के समक्ष मजबूती से रखा। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से समझा और बाजार मूल्य के आधार पर मुआवजा देने का निर्णय लिया।

न्यूज डायरी

सुरेंद्र बने जन सेवा संस्थान के अध्यक्ष

गोहाना। जन सेवा संस्थान की रविवार को बैठक आयोजित हुई। बैठक में विचारविमर्श के बाद संस्थान की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

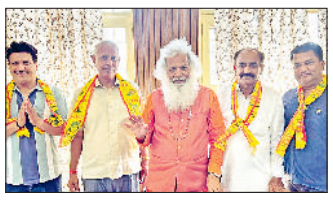

कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। नई कार्यकारिणी में सुरेंद्र गर्ग को संस्थान के नए अध्यक्ष, डॉ. प्रदीप खाणिजो को उपाध्यक्ष, संजय गोयल को सचिव और संजीव सिंघल को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त ओम प्रकाश जैन, बनारसी मकडौली, अमित आहुजा, श्याम लाल वशिष्ठ, संजीव सिंगला, सन्दीप शर्मा, नरेश कुमार, राजेंद्र गिरधर, शिव कुमार जिन्दल, रामकुंवार मित्तल, सुरेन्द्र गर्ग, इन्द्रजीत बिसमानी, विजय कत्याल, संजय गोयल, सौरभ बंसल, हैप्पी जैन और भीम खेड़ी वाले को सदस्य चुना गया।

117 नागरिकों ने बटोरा रक्तदान का पुण्य

गोहाना। गोहाना केमिस्ट एसोसिएशन एवं भारत विकास परिषद, गोहाना के संयुक्त तत्वावधान आयोजित शिविर में 117 नागरिकों ने रक्तदान का पुण्य कमाया। शिविर शहर की टीटू धर्मशाला आयोजित हुआ।

मुख्य अतिथि अशोक सिंगला ने कहा कि रक्तदान महादान है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम रक्तदान करके किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकते हैं। गोहाना केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप चहल, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष सुनील कुच्छल, प्रमोद गुप्ता, सुमेर जैन, रमेश खुराना, सुरेश बजाज, हरि प्रकाश गुप्ता, पुरुषोत्तम गोयल और व सोनीपत केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आठवें वेतन आयोग का लाभ रिटायर्ड कर्मचारियों को भी मिले : बलवान

गन्नौर। खेड़ी रोड स्थित जाट धर्मशाला में रविवार को रिटायर्ड कर्मचारी संघ की मासिक बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्लाक प्रधान सुभाष चंद्र ने की। बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों पर चर्चा करते हुए सरकार से उन्हें शीघ्र पूरा करने की मांग की। प्रदेश कार्यकारिणी के उपप्रधान बलवान सिंह ने कहा कि नियमित कर्मचारियों की तरह रिटायर्ड कर्मचारियों को भी आठवें वेतन आयोग का पूरा लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए निःशुल्क कैशलेस मेडिकल सुविधा लागू करने की भी मांग उठाई, ताकि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। बैठक में एलटीसी सुविधा को पहले की तरह दोबारा लागू करने की मांग भी रखी गई।

जीवन विहार एक्सटेंशन में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

सोनीपत। शिव युवा शक्ति संघ ने समाजसेवा एवं जनकल्याण की भावना से मुरथल रोड स्थित जीवन विहार एक्सटेंशन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया। शिविर में पानीपत के निजी अस्पताल के चिकित्सकों ने क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य की जांच की। डॉ. यशपाल सिंह, डॉ. संकेत, डॉ. रोहित, डॉ. मोइन, डॉ. रविंद्र सिंह ने अपनी सेवाएं प्रदान कर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श दिया। इससे पहले संघ के पदाधिकारियों ने शिविर का रिबन काटकर शुभारंभ किया। अध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि शिव युवा शक्ति संघ वर्ष 1997 से निरंतर समाजसेवा के कार्यों में समर्पित है। समय-समय पर जनहित से जुड़े विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान मुकेश बत्रा, ऋषि वर्मा, मनीष राणा, सतनारायण शर्मा, राजेश पालीवाल, ओम नारायण, जिले सिंह ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग दिया।

अजय त्यागी सर्वसम्मति से चुने गए लायंस क्लब गन्नौर के अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

लायन क्लब गन्नौर की वर्ष की अंतिम मासिक बैठक का आयोजन कियागया । बैठक में सर्वसम्मति से लायन अजय त्यागी को क्लब का नवनियुक्त प्रधान चुना गया। बैठक के दौरान नॉमिनेशन कमेटी के चेयरमैन लायन दीपक गोयल ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। उन्होंने बताया कि लायन मनीष बंसल को सचिव, लायन नरेंद्र पतांजलि को कोषाध्यक्ष व लायन सुशील त्यागी एडवोकेट को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सभी पदाधिकारियों के नामों पर क्लब सदस्यों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की। बैठक में क्लब के कई वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्य मौजूद रहे, जिनमें लायन संजीव सोबती, अनिल त्यागी, विपिन त्यागी, निवर्तमान प्रधान लायन गौरव त्यागी, पार्षद शमशेर सैनी, हरविंदर त्यागी, बालिस्टर सैनी, सुरेश भूटानी सहित अन्य गणमान्य सदस्य शामिल रहे। सभी ने नवगठित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए क्लब के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नवनिर्वाचित प्रधान लायन अजय त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि वे सभी सदस्यों के सहयोग से समाजसेवा के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा उनका फॉक्स शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं जरूरतमंदों की सहायता जैसे सेवा कार्यों पर होगा।

'मन की बात' कार्यक्रम समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाने का एक सशक्त मंच : बड़ौली

राई। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें एपिसोड को कार्यकर्ताओं के साथ सुना। कार्यक्रम के उपरांत

अपने संबोधन में मोहनलाल बडोली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देशवासियों को सकारात्मक सोच, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के प्रति निरंतर प्रेरित करता है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों को सकारात्मक सोच, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के प्रति निरंतर प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाने का एक सशक्त मंच बन चुका है। भाजपा नेता माईराम कौशिक ने कहा कि कहा कि प्रधानमंत्री समाज के विभिन्न वर्गों के प्रेरणादायक कार्यों को देश के सामने लाते हैं, जिससे लोगों को समाज हित में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि युवाओं, किसानों और महिलाओं की भागीदारी से देश आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान कर रहा है।

पीएम ने देशवासियों को प्रेरणादायक संदेश दिया: गहलावत

गढ़ मीरकपुर में विधायक कृष्णा गहलावत ने 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

जाखोली मंडल के गांव गढ़ मीरकपुर में विधायक कृष्णा गहलावत ने रविवार को प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को कार्यकर्ताओं के साथ सुना । कार्यक्रम में पहुंचने पर जखोली मंडल के अध्यक्ष शेखर आंतिल व अन्य कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। विधायक कृष्णा गहलावत ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के

माध्यम से देशवासियों को प्रेरणादायक संदेश दिया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी को सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा है कि भारत निरंतर विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि प्रधानमंत्री ने युवाओं, किसानों, महिलाओं और विद्यार्थियों की भूमिका को देश की प्रगति का मजबूत आधार बताया।

सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन पर दिया जोर

विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की उन्नति केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी और संकल्प से संभव है। 'मन की बात' कार्यक्रम देश के लोगों को जोड़ने और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। जखोली मंडल के अध्यक्ष शेखर आंतिल ने कहा कि उन्होंने सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन पर विशेष जोर दिया। इस मौके पर भाजपा नेता मास्टर सत्यनारायण आंतिल के अलावा अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

गोहाना निवास पर सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री ने सुना प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम का 135वां एपिसोड

मन की बात से समाज को मिलती है प्रेरणा : डॉ. अरविंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने रविवार को अपने गोहाना स्थित निवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें एपिसोड को सुना। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देशवासियों को सकारात्मक सोच, जनभागीदारी व राष्ट्र निर्माण के प्रति निरंतर प्रेरित करता है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि यह केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों, नवाचारों, जनआंदोलनों व देश के अनसुने नायकों को सम्मान देने का सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री समय-समय पर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत, युवा शक्ति, नवाचार, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों

गोहाना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 135वां एपिसोड सुनते हुए सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

जैसे विषयों पर देशवासियों का मार्गदर्शन करते हैं। इससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की भावना मजबूत होती है और लोगों को राष्ट्रहित में अपनी सहभागिता बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है।

विधायक निखिल मदान ने सुनीं पीएम के मन की बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विधायक निखिल मदान ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 135 वें संस्करण को धोबीवाड़ा में बूथ नंबर 1 पर कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सुना। मन की बात कार्यक्रम में प्रदीप गौड़, मयंक, हर्ष, करण सहित काफी लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में बताया कि मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा की कुछ बहनों ने अपने आसपास फैले प्लास्टिक कचरे को हटाने का संकल्प लिया। यह नहीं सोचा कि कोई आकर बदलाव लाएगा। उन्होंने खुद शहरभर से प्लास्टिक कचरा, खाली बोतलें इकट्ठा करना शुरू किया। धीरे-धीरे यह प्रयास आगे बढ़ता गया, फिर उस प्लास्टिक को इको-ब्रिक्स में बदला जाने लगा। कुछ महीनों में सैकड़ों किलो प्लास्टिक को रिसाइकल करके उनका बेहतर उपयोग किया गया। यानि राजगढ़ में जो प्लास्टिक पहले शहर में प्रदूषण फैलाता था, आज वही इन बहनों के प्रयास से शहर की सुंदरता बढ़ाने में योगदान दे रहा है।

संत कबीरदास जयंती की दी शुभकामनाएं

वहीं विधायक निखिल मदान ने संत कबीर सत्संग भवन में आयोजित 629वें संत कबीर दास प्रकट दिवस कार्यक्रम में शामिल होकर लोगों को कबीर जयंती की शुभकामनाएं दी। विधायक ने कहा कि संत कबीर दास ने अपनी ओजस्वी वाणी से सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही सामाजिक समरसता का संदेश दिया। कार्यक्रम में सत्यवान लड़वाल, जिला एससी मोर्चा संयोजक शमशेर तूफान, रवीश, सतपाल, विनीत, रामपति, जगविंद्र, भूप सिंह खन्ना, सुरेश तंवर, महावीर, मंगतराम खुड़िया, जितेंद्र गोरिया, सुनील, जयकुमार नैय्यर मौजूद रहे।